(iii) Two Hundred Sixteenth Report on the Action Taken by the Government on the Recommendations/Observations of the Committee contained in its Two Hundred Eleventh Report on Upkeep of various Monuments in Delhi, National Museum and other important issues pertaining to the Ministry of Culture.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, matters to be raised in Zero Hour. Shri Ravi Prakash Verma. ...*(Interruptions)*... Zero Hour. Shri Ravi Prakash Verma. ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAMOD TIWARI: Sir, point of order. ...*(Interruptions)*...

श्री उपसभापति : आप लोग बैठिए। **...(व्यवधान)**... Let me dispose the Zero Hour. ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAMOD TIWARI: Sir, point of order. ...*(Interruptions)*...

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Release of funds under PMGSY to Uttar Pradesh

श्री रवि प्रकाश वर्मा (उत्तर प्रदेश) **:** उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से एक महत्वपूर्ण विषय पर सरकार का ध्यानाकर्षण करना चाहता हूं कि भारत सरकार द्वारा प्रचलित ग्रामीण क्षेत्र के जनमार्गों के उच्चीकरण के लिए प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना का कार्यक्रम चलाया गया था। इसके माध्यम से पूरे भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी तादाद में मार्ग उच्चीकृत किए गए थे और यह योजना बहुत लोकप्रिय हो गई थी। पिछले दो वर्षों से इसमें कुछ व्यतिक्रम आया है तथा भारत सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश में फेज-9 एवं फेज-10 के 1130 अधूरे प्रोजेक्ट्स पर बकाया 3,000 करोड़ रुपया अभी तक जारी नहीं किया गया है। इस कारण से मार्ग अधूरे पड़े हैं तथा इन्हें प्रयोग करने वाले किसान, महिलाएं एवं स्कूल जाने वाले छात्र, छात्राएं तथा बच्चों की बड़ी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। मेरे गृह जनपद लखीमपुर के प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के 79 प्रोजेक्ट्स अधूरे पड़े हैं, जिन पर 80 करोड़ रुपए दिए जाने हैं। महोदय, मेरा सरकार से अनुरोध है कि तत्काल 3,000 करोड़ रुपये जारी करके इन अधूरे मार्गों को पूर्ण निर्मित कराने का कष्ट करें।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Shri Ritabrata Banerjee.

Mushrooming activities of non-banking financial institutions

SHRI RITABRATA BANERJEE (West Bengal): Thank you, Sir. I rise to raise a very important issue about the mushrooming of the banking and financial institutions in different parts of the country and also the plight of the common people.

Now, as far as my State is concerned, in this period, Sir, there have been innumerable